अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, फरवरी-2024

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है|
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**
4. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु शामिल हैं, ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। परीक्षार्थी अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक दिए जाएँ।
5. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
6. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएंगे और गलत उत्तर पर गलत का (×) चिह्न लगाएँगे। परीक्षक द्वारा मूल्यांकन करते समय सही का चिह्न (√) न लगने पर यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
8. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
9. यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर दे दिया है, तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उसे ही स्वीकार करें। दूसरे उत्तर को "अतिरिक्त प्रश्न" टिप्पणी के साथ काट दिया जाना चाहिए।
10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उस पर एक से अधिक बार अंक न काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं।
13. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग का अंकों और शब्दों में मेल न होना।
- उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना (सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो।)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

14. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
16. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
17. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में सही लिखा गया है।
18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है । सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा फरवरी -2024

अंक योजना : हिन्दी (आधार) प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड अ 40 अंक (बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)					
प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
1	1	2	1	अपठित बोध - गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(C) संकुचित	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) व्यापक दृष्टिकोण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) केवल कथन I सही है I	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना	1
	(v)	(v)	(v)	(A) लोगों के बीच बढ़ते पारस्परिक भेदभाव के कारण	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(B) वैश्विक समझ, सम्मान और सद्भाव	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(A) युद्ध और संघर्ष का आतंक समाप्त कर सकता है	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(D) विश्व-धरोहर बनकर	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(A) विश्व बंधुत्व की भावना से	1
	(x)	(x)	(x)	(B) जब बंधुत्व की भावना से विश्व-कल्याण होगा	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
2	2	1	2	अपठित बोध - पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) हताशा-निराशा	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) आत्मविश्वास का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) उत्साहहीन व्यक्तियों को	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) 1(iii), 2(ii), 3(i)	1
	(v)	(v)	(v)	(C) शक्तिभर जीने का	1
3	3	3	3	अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(B) एंकर-बाइट	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) प्रभासाक्षी	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) फोटो या ग्राफिक्स होना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) स्तंभ लेखन	1
	(v)	(v)	(v)	(B) विशेषीकृत रिपोर्टिंग	1
पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर					
4	4	4	5	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) एक यात्रा है	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) उड़ान की	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) चिड़िया की उड़ान एक सीमा तक है परंतु कविता की उड़ान असीम है ।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कल्पनाशीलता	1
	(v)	(v)	(v)	(B) चिड़िया	1
5	5	5	4	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(B) त्यजन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) स्वार्थ और भ्रष्टाचार के दुष्परिणाम	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) जब मनुष्य निज स्वार्थ को सर्वोपरि मानता है तब वह भी भ्रष्टाचार का अंग बन जाता है ।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) 1(i), 2(iii), 3(ii)	1
	(v)	(v)	(v)	(C) स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से	1
6	6	6	6	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10X1=10
	(i)	(i)	(i)	(A) मानस पुत्र	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) बौद्ध स्तूप	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) 33 फीट	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
	(v)	(v)	(v)	(B) कथन (II) सही है ।	1

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	(vi)	(vi)	(vi)	(C) सांसारिक मानकों के अनुसार बड़ा आदमी मान लिये जाने के कारण	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(B) माँ से	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(C) संघर्ष करने की	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(A) अपनी गलती स्वीकार करना	1
	(x)	(x)	(x)	(B) समाज-पोषित होने में	1
				खंड ब (वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)	40 अंक
7	7	7	7	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख • आरंभ - 1 • विषयवस्तु - 3 • प्रस्तुति - 1 • भाषा - 1	6

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
8	8	8	8		2X2=4
	(i)(क)	-	-	• कथानक के अनुसार दृश्य का औचित्य • कथानुसार तार्किक विकास • समय एवं स्थान के आधार कहानी का विभाजन करके निर्धारण • नाटक की गति को बाधित करने वाले उबाऊ दृश्यों से बचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	अथवा (i)(ख)	-	-	अवधि - 15 से 30 मिनट कारण - • रेडियो पर निश्चित समय पर निश्चित कार्यक्रम का होना • श्रव्य माध्यम में नाटक या वार्ता के लिए मनुष्य की एकाग्रता की अवधि 15-30 मिनट (सीमित) होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ii)(क)	-	-	कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करना ।	2
	अथवा (ii)(ख)	-	-	• लिखित भाषा का विस्तार • छपे हुए (मुद्रित) शब्दों में स्थायित्व • चिंतन एवं विचार विश्लेषण का माध्यम (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(i)(क)	-	• दोनों में कथानक, पात्र, परिवेश का होना • कथा का क्रमिक विकास • द्वंद्व, संवाद और चरमोत्कर्ष • पात्रों के मध्य द्वंद्व होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	अथवा (i)(ख)	-	• अवधि 15-30 मिनट • पात्रों की सीमित संख्या (न्यूनतम 5, अधिकतम 20) • ध्वनि प्रभाव एवं संवाद • सीधे, सरल एवं संक्षिप्त वाक्य • एक्शन रहित कहानी (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	-	(ii)(क)	-	• विचारों का सार्थक और सुसंगत होना • मस्तिष्क में रूपरेखा बनाना • परस्पर एक - दूसरे का खंडन करती हुई बातों के प्रयोग से बचाव • दो - तीन मिनट ठहरकर मन में उभरने वाले विचारों को विस्तार देना • अपेक्षाकृत स्पष्ट फोकस वाले विषय मिलने पर विचार - प्रवाह को थोड़ा नियंत्रित रखना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	अथवा (ii)(ख)	-	• पात्रों के मनोभावों एवं पात्र संबंधी विविध जानकारी की ध्वनि-संकेतों के माध्यम से ही अभियक्ति • दृश्य एवं संवादों की सार्थकता ध्वनि-संकेतों से प्रभावित • किसी भी दृश्य, आवाज़ व रोमांच आदि का ध्वनि के माध्यम से व्यक्त होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(i)(क)	• कहानी की मूल संवेदना से मेल खाना • पात्र, घटना एवं परिस्थिति की अनुकूलता • औचित्यपूर्ण एवं प्रभावशाली • संक्षिप्तता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	अथवा (i)(ख)	• सिनेमा और रंगमंच में कथानक की संवाद और अभिनय के द्वारा प्रस्तुति, रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभाव और संवादों द्वारा संप्रेषित • सिनेमा और रंगमंच में कथानक की प्रस्तुति वेशभूषा, मंच - सज्जा की सहायता से भी संभव, रेडियो नाटक में मात्र ध्वनि - संकेतों के माध्यम से ही संभव • सिनेमा और रंगमंच में एक्शन प्रधान कहानी की खूबसूरती से प्रस्तुति, रेडियो नाटक में ध्वनि संकेत के माध्यम से उबाऊ होने की संभावना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	-	-	(ii)(क)	• विषय से जुड़ी जानकारियों और तथ्यों का अभाव • शब्द-भंडार के अल्पज्ञान के कारण मन के विचारों को शब्दबद्ध करने की कठिनाई • लेखन की बनी-बनाई लीक छोड़कर कुछ नया करने में आत्मविश्वास की कमी • पठन-पाठन का अभ्यास न होना • लेखन का अभ्यास न होने से शुद्ध और समय - सीमा में लिखने की असमर्थता • भाषा के प्रति उपेक्षा या अरुचि से वाक्य - निर्माण या लेखन दोषपूर्ण होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	अथवा (ii)(ख)	फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज - सबसे पहले कोई बड़ी ख़बर न्यूज के रूप में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाना तथा कम से कम शब्दों में सूचना देना संचार साधन- टेलीविज़न, इंटरनेट, रेडियो	1+1=2
9	9	9	9	(पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रश्न)	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित) • श्रव्य एवं दृश्य - दोनों माध्यमों में उपलब्ध होना • खबरों की तत्काल पुष्टि • न केवल खबरों का संप्रेषण, पुष्टि, सत्यापन होना, बल्कि खबरों का बैकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलना • सभी प्रकार की सूचनाओं के आदान-प्रदान, चर्चा व परिचर्चाओं का साधन होने के साथ-साथ मनोरंजन का भी साधन होना • सबसे तीव्र एवं सटीक माध्यम (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ख)	(ख)	(ख)	आशय व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने पर भी किसी विषय विशेष में जानकारी और अनुभव के आधार पर समझ को सहजता से	1+2=3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				व्याख्यायित कर सकने की सीमा तक विकसित करना भिन्न • रुचि एवं सक्रियता के साथ विषय विशेष की व्यावसायिक डिग्री की आवश्यकता (व्यावसायिक विशेषज्ञता) • पत्रकारीय विशेषज्ञता में जानकारी अनुभव और रुचि के आधार पर विशेषज्ञता	
	(ग)	(ग)	(ग)	• साहित्यिक लेखन का संबंध कल्पना से भी होना, समाचार लेखन का संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों से ही होना • साहित्यिक लेखन अधिकांशतः आत्मसंतुष्टि के लिए लिखा जाना • समाचार लेखन तात्कालिकता और पाठकों को ध्यान में रखकर लिखा जाना • साहित्यिक लेखन में काल और अवधि के बंधन का न होना • समाचार लेखन में तात्कालिकता की दृष्टि से समय का महत्वपूर्ण होना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
10	10	10	11	(पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रश्न) (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	बच्चों के लिए कारण - • कपास की तरह कोमल, मुलायम और लचीला होना • श्वेत कपास के समान बच्चों की भावनाओं का स्वच्छ एवं पवित्र होना • कपास के सामान बच्चों के शरीर का भी हल्का होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	(ख)	(ख)	(ख)	• बात का भाव आसानी से समझ में आ जाना • भाषा का उद्देश्य भी यही होना • संप्रेषण-शक्ति बनाए रखना • रोचकता बनाए रखना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	(ग)	ग)	(ग)	• आँगन में खड़ी माँ का शिशु को हाथों पर झुलाना • हवा में लोका देना • बच्चे को घुटनियों में लिटाकर कपड़े पहनाना • जल से उलझे हुए गेसुओं में कंघी करना • दीपावली की शाम घर के आँगन का साफ-सुथरा और सजा-सँवरा होना • माँ के द्वारा अपने बच्चों के लिए मिट्टी के खिलौने सजाना और घरौंदे में दीया जलाना • बच्चे का चाँद के लिए ज़िद करना और उसे बहलाने के लिए माँ द्वारा दर्पण दिखाना • भाई के हाथों में बहन द्वारा चमकती राखी बाँधना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
11	11	11	10	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2X2=4
	(क)	(क)	(क)	• चिड़िया का अपने बच्चों के प्रति ममत्व • दिनभर से बिछुड़े बच्चों से शीघ्रातिशीघ्र मिलने की चाह • अपने बच्चों को भोजन, स्नेह व सुरक्षा प्रदान करने का भाव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	(ख)	(ख)	• लीपा चौका पवित्रता का द्योतक • भोर के समय ओस के कारण आकाश में नमी होना • भोर के नभ का भी लीपे चौके की भाँति आर्द्र और पवित्र होना • पूर्ण प्रकाश न फैलने की वजह से आकाश में हल्की कालिमा व्याप्त होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• समुद्र की आग (बड़वानल) से भी भयानक • राम रूपी घनश्याम की कृपा से	1+1=2
12	12	12	12	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2X3=6
	(क)	-	-	• सेवा भाव और निष्ठा में हनुमान जी से प्रतिस्पर्धा के कारण	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• लेखिका के हर कष्ट को उनसे पहले स्वयं झेल लेने की भावना के कारण • अपने जीवन भर की कमाई लेखिका को दे देने की तत्परता के कारण • निःस्वार्थ सेवा-भाव के कारण • लेखिका के प्रति अपनत्व के कारण (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	
	(ख)	-	-	गाँव को मृत कहने का कारण - • महामारी और कष्ट के कारण गाँव के लोगों की दशा मृतकों जैसी हो जाना • ढोलक की आवाज का ग्रामीणों को मृत्यु से लड़ने की प्रेरणा देना • बूढ़े, बच्चों व जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य उपस्थित हो जाना • स्पंदन-शक्ति शून्य स्नायुओं में बिजली दौड़ना • निराश हृदयों में उत्साह का संचार होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	(ग)	-	-	• कालजयी अवधूत की भाँति जीवन के अजेय मंत्र का प्रचार करना • पृथ्वी का अग्नि की भाँति निर्धूम जलने पर भी फूलों से लदा, लहलहाते रहना • विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्यशील बने रहना • प्रचंड गर्मी में भी अपनी अजेय जिजीविषा के साथ निस्पृह भाव से अविचल खड़े रहना • दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण मृत्यु और समय को भी पराजित करने का साहस रखना • वायुमंडल से रस खींचना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	(क)	-	मन का बंद न होना इच्छाओं का बिल्कुल समाप्त हो जाना जड़ता है अर्थात मन शून्य न हो मन खाली होना • मन पर बाजार के जादू का अत्यधिक प्रभाव,	1+1+1=3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• असंतुष्टि का भाव • पर्चेजिंग पावर का दिखावा मन खाली न होना • आवश्यकता के अनुरूप खरीददारी करना • बाजार के आकर्षण में न आना • बाजार को सार्थकता प्रदान करना	
	-	(ख)	-	नदियों का महत्व - • भारत के सामाजिक व सांस्कृतिक परिवेश में नदियों का विशेष महत्व • नदियों के किनारे सभ्यता का विकास • जल का प्रमुख स्रोत • धार्मिक व सांस्कृतिक केंद्रों का नदियों के तट पर विकास • मोक्षदायिनी व पूज्य जय बोलने का कारण - • भारतीय जनमानस में गंगा नदी को विशेष मान-सम्मान प्राप्त • प्रत्येक शुभ कार्य में गंगाजल का प्रयोग • माँ का दर्जा	$1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$
	-	(ग)	-	• स्वाभाविक विभाजन न होना • वर्गों और जातियों में बाँटकर लोगों में भेदभाव बढ़ाना • मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक ही पेशे में बाँध देना • प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न देना • बेरोजगारी और भुखमरी का कारण बनना • श्रमिक का विभाजन करना • मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्म-शक्ति को दबाकर निष्क्रिय बना देना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(क)	• कर्मठ एवं परिश्रमी • समर्पित सेविका • स्वाभिमानिनी • संघर्षशील • दृढ़निश्चयी • धैर्यवती	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• निश्छल एवं व्यवहार में स्नेहिल (किन्हीं तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)	
	-	-	(ख)	• राजपहलवान घोषित • पुत्रों के साथ राज-दरबार में निवास • राजा साहब द्वारा 'लुट्टन सिंह' कहकर पुकारा जाना • कीर्ति दूर-दूर तक फैलना • पौष्टिक भोजन एवं व्यायाम की सुविधा • राजा की स्नेह दृष्टि • राज-दरबार का दर्शनीय जीव बन जाना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(ग)	• विषमताओं में भी धैर्यपूर्वक कष्टों का सामना करना • अजेय जिजीविषा के मंत्र का प्रचार करना • जीवन-मूल्यों को स्थापित करते हुए कर्तव्यशील बने रहना • अधिकार-लिप्सा का त्याग करना • देहबल के ऊपर आत्मबल के महत्व को स्थापित करना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
13	13	13	13	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2X2=4
	(क)	-	-	तात्पर्य - खरीदने की शक्ति- बाजार पर प्रभाव - • बाजारूपन बढ़ाना • बाजार को शैतानी व्यंग्य की शक्ति देना • आवश्यकता से अधिक खरीददारी करना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	-	-	• स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता (भाईचारा) पर आधारित • समाज में गतिशीलता • व्यवसाय चयन की स्वतंत्रता • समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग तथा उनकी रक्षा के प्रति सजगता • जातिगत भेदभाव की समाप्ति (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	(ग)	-	-	गुड़धानी- गुड़ और चने (अनाज) से बना एक प्रकार का लड्डू माँग का कारण - • समृद्धि और संपन्नता के लिए • समाज-कल्याण के लिए • अच्छी वर्षा, अच्छी खेती के लिए (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	संबंध - आत्मीय भक्तिन का व्यावहारिक तौर पर सेविका के रूप में न होना तर्क - • लेखिका को अपने अनुसार ढाल लेना • एक सेविका की भाँति लेखिका के सभी आदेशों का पालन न करना • अपने संबंध में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को न स्वीकारना • लेखिका के साथ सदैव साये की तरह रहना • लेखिका की प्रत्येक आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए सदैव तत्पर रहना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(ख)	-	• साहसी व वीर • संवेदनशील • आकर्षक व्यक्तित्व (किन्हीं दो बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)	2
	-	(ग)	-	• कठिन परिस्थितियों में भी अविचल रहकर जिजीविषा की प्रेरणा • धैर्यशील, शांत और सौम्य बने रहना • मनुष्य की अजेय जिजीविषा और तुमुल कोलाहल कलह के बीच धैर्यपूर्वक लोक के साथ चिंतारत, कर्तव्यशील बने रहना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(क)	• निश्चित समय पर चूरन बेचने के लिए निकलना • छह आने की कमाई होते ही शेष चूरन बच्चों में मुफ्त	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				बाँट देना • पंसारी से आवश्यकता के अनुसार मात्र जीरा और नमक खरीदना • बाजार की चमक-धमक से आकर्षित न होना • चौक बाजार से निकलते वक्त सभी का अभिवादन स्वीकार करना • संतोषी होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	-	(ख)	• पानी की कमी होने पर भी, कठिनाई से इकट्ठा किया हुआ पानी इंदर-सेना पर फेंकना • अंधविश्वास में आकर पानी की निर्मम बर्बादी करना	2
	-	-	(ग)	• कार्य-कुशलता के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानना • जाति प्रथा को भी श्रम विभाजन का रूप मानना	2
14	14	14	14	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2X2=4
	(क)	-	-	• वर्तमान समाज में एकल परिवार की संरचना पर बल • नयी पीढ़ी द्वारा पुरानी पीढ़ी की बातों को नकारना • यशोधर बाबू की पत्नी की तरह माताओं का अपने बच्चों के पक्ष में रहना • खान-पान, पहनावे में आधुनिकता को अपनाना • बुजुर्गों की उपेक्षा करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (मुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	2
	(ख)	-	-	'जूझ' शब्द का अर्थ - संघर्ष शीर्षक का औचित्य - • आनंदा (लेखक) का आरंभ से अंत तक पढ़ाई के लिए संघर्ष • खेत-खलिहान के काम और पढ़ाई के बीच सामंजस्य स्थापित करने का संघर्ष • विद्यालय में शरारती लड़कों से आत्मरक्षा का संघर्ष • विद्यालय में अपनी पहचान बनाने का संघर्ष (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	(ग)	-	-	• 'लो प्रोफाइल सभ्यता' • राजा की मूर्ति का मुकुट बहुत छोटे आकार का होना • नावों का आकार बहुत छोटा होना • राजतंत्र को दिखाने वाले महल, धर्म के शक्ति-स्थल, पूजा, मूर्तियों व पिरामिड का न मिलना • हथियार / शस्त्र का न मिलना • राजाओं और महंतों की समाधि का न मिलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(क)	-	• पीढ़ी के अंतराल की अभिव्यक्ति • बदलते जीवन मूल्य • नयी पीढ़ी द्वारा पुरानी पीढ़ी की बातों को नकारना • युवा पीढ़ी पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव • पुरानी पीढ़ी द्वारा किसी भी परिवर्तन को स्वीकारने हेतु तैयार न होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ख)	-	• परिश्रम का महत्व प्रतिपादित करना • संघर्ष को कार्य की सफलता का आधार बताना • लगन और समर्पण को कार्य की सिद्धि का मूल मंत्र बताना (कोई एक बिंदु अपेक्षित) उदाहरण - आनंदा (लेखक) के जीवन का कोई एक उदाहरण अपेक्षित	1+1=2
	-	(ग)	-	• सिंधु घाटी की सभ्यता में नदी, कुएँ, तालाब, स्नानागार का बहुतायत में मिलना • सात सौ से अधिक कुएँ होना • पीने के पानी के मुख्य स्रोतों का होना • जल-संग्रह एवं जल-निकास की सुंदर व्यवस्था होना • सिंधु नदी के किनारे सभ्यता का बसना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	-	-	(क)	• बुजुर्गों का आदर-सम्मान - बुजुर्गों की उपेक्षा करना • परंपराओं से लगाव - पुराने रीति-रिवाज, परंपरा और मूल्यों के निर्वहन में परिवर्तन • त्याग की भावना - परहिताय या परहित जैसे मूल्यों के स्थान पर स्वार्थ-भाव की प्रबलता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	• मराठी पढ़ाने वाले शिक्षक न. वा. सौंदलगेकर का कविता पाठ सुनकर • शिक्षकों से सराहना पाकर • अपने आस-पास, खेतों से जुड़े अनेक दृश्यों, गाँव एवं जंगली फूलों आदि पर तुकबंदी करके (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	• मोहन-जोदड़ो की खुदाई में उत्कृष्ट नगर-योजना, मकान, खेती, कला, औजार आदि के अवशेषों का मिलना • सभ्यता का पूर्ण विकसित होना • आज की शहरी योजना से अधिक सुनियोजित नगर व्यवस्था • उपजाऊ भूमि, उन्नत कृषि • जल-संरक्षण एवं जल-निकासी का समुचित प्रबंध • आधुनिक ग्रिड-प्रणाली (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2